2019

HINDI

(Major)

Paper : 4.1

(Chhayavad : Purv Evam Chhayavadyugin Kavyadharayen)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पठित पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) 'यशोधरा' के कवि कौन हैं?

(ख) निराला जी का निधन कब हुआ था?

(ग) 'जूही की कली' का प्रकाशन-काल लिखिए।

(घ) 'झरना' काव्य-संग्रह के कवि का नाम क्या है?

(ङ) माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म कब हुआ था?

(च) सुमित्रानंदन पंत को किस कृति के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था?

(छ) मनु किसका प्रतीक है?

(ज) निराला की बेटी का नाम क्या था?

(झ) 'कामायनी' के रचनाकार का जन्म कब हुआ था?

(ञ) किस ग्राम में दिनकर जी का जन्म हुआ था?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) महादेवी वर्मा की कविताओं की भावभूमि क्या है?

(ख) दिनकर की पठित कविता 'नारी' की भावभूमि क्या है?

(ग) हरिवंश राय बच्चन का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय दीजिए।

(घ) मनु क्यों चिन्तित थे?

(ङ) निराला ने अपने को निरर्थक पिता क्यों कहा है?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) स्वतंत्रता संग्राम में बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' का किस प्रकार का योगदान रहा है?

(ख) 'परिवर्तन' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

(ग) 'कामायनी' में चित्रित जलप्लावन का क्या कारण है?

(घ) महादेवी की वेदना के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(ङ) 'आशा' सर्ग के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(च) आधुनिक हिन्दी काव्यधारा में 'हरिऔध' जी के महत्त्व का आकलन कीजिए।

4. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क)
मुझ भाग्यहीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल
दुःख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही।

अथवा

सुख सिंधु पंचनद ब्रह्मपुत्र
गंगा यमुना की अमियधार
जिस पुण्य भूमि की ओर बही
तेरी विगलित करुणा उदार।

(ख)
हाय री दुर्बल भ्रांति
कहाँ नश्वर जगती में शान्ति?
सृष्टि ही का तात्पर्य अशांति।
जगत अविरत जीवन-संग्राम,
स्वप्न है यहाँ विराम।

अथवा

नींद थी मेरी अचल निस्पन्द कण-कण में
प्रथम जागृति थी जगत के प्रथम स्पन्दन में
प्रलय में मेरा पता पद-चिह्न जीवन में
शाप हूँ जो बन गया वरदान बंधन में,
कूल भी हूँ कूलहीन प्रवाहिनी भी हूँ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) 'नौका-विहार' कविता के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कामायनी' के 'चिन्ता' सर्ग के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।

(ख) पठित कविताओं के आधार पर 'निराला' की काव्य-स्वर संबंधी विशेषताओं का आकलन कीजिए।

अथवा

भारतेन्दु हरिश्चंद्र की साहित्यिक प्रतिभा पर प्रकाश डालिए।

★★★